



संरक्षक
नीरजा डबराल
मो नंबर
8791873546

अध्यक्ष
मधु सूदन डबराल
मो नंबर :
9000671852

उपाध्यक्ष
सतीश कुमार
मो नंबर
9910933979

सचिव
अशोक डबराल
मो नंबर
9897883450

संयुक्त सचिव
प्रफुल्ल डबराल
मो नंबर
9873880851

सांस्कृतिक सचिव
विजय डबराल
मो नंबर
99177 08259

परामर्शदाता
सुभाष डबराल
9868042167

कोषाध्यक्ष
गिरजा दत्त डबराल
मो नंबर

कोऑर्डिनेटर
प्रजा दत्त डबराल
मो नंबर
9810974880

सूदन डबराल
मो नंबर
9313952523

सुरेश ममगाई
मो नंबर
6397793018

दग्ड़िया स्मारिका

प्रथम संस्करण

(2024-2025)



दग्ड़िया जनकल्याण समिति (पंजीकृत)

ग्राम- डाबर, पोस्ट ऑफिस- देवीखेत, डबरालस्यूं, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड- 246144

Reg. No. – UK0610852022008503

E mail: dagdiyajankalyan@gmail.com

दगडिया

स्मारिका

प्रथम संस्करण

संपादक मंडल

अध्यक्ष
मधु सूदन डबराल

सचिव
अशोक डबराल

संपादक
प्रजा दत्त डबराल

उप संपादक
अशोक डबराल

(सभी पद अवैतनिक हैं)

सम्पादकीय कार्यालय

G - 60 , राज नगर पार्ट-2
पालम कॉलोनी
दिल्ली

अनुक्रम

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1	समिति का उद्देश्य	3
2	संपादकीय	4
3	अध्यक्ष की कलम से	5
4	संरक्षक की कलम से	6
5	शुभकामना सन्देश	7-9
6	वर्ष 2024-25 के संपन्न कार्यों का विवरण	10-13
7	मन की कलम से	14
8	वर्ष के प्रमुख सहयोगियों का विवरण	15
9	वार्षिक लेखा संतुलन पत्र	16
10	कार्यकारिणी सूची	17-18
11	सदस्य सूची	19
12	2025-26 की प्रस्तावित कार्य सूची	20

MERCHANT NAME

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

A/C NO: 2871-0001-0007-1551

IFSC CODE: PUNB0287100

Reg. No. – UK0610852022008503

UPI ID: 9000671852m@PNB

WEBSITE: <https://dagadiya.com>



CONTRIBUTE

उद्देश्य

दगड़िया- दोस्त हमेशा के लिए

1. समुदायों को सशक्त बनाना, प्रकृति को कायम रखना

दगड़िया - भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले डबराल्स्यू के समान विचारधारा वाले भाइयों और बहनों द्वारा गठित एक संगठन, जो उत्तराखंड और इसके लोगों के प्रति गहरे प्रेम से उभरा है और इसका उद्देश्य हमारे गांवों में रहने वाले लोगों को हमेशा के लिए उनका सच्चा दोस्त बनकर गले लगाना है। हमारी यात्रा एक सरल लेकिन शक्तिशाली दृष्टिकोण के साथ शुरू हुई: सतत विकास के माध्यम से पौड़ी गढ़वाल के गांवों को पुनर्जीवित करना। हम रिवर्स माइग्रेशन वाले उत्तराखंड की कल्पना करते हैं जहां कृषि समृद्धि और जिम्मेदार पर्यटन सामंजस्यपूर्ण रूप से सह-अस्तित्व में हों। हमारा मिशन किसानों को अत्याधुनिक उपकरणों, परिवर्तनकारी ज्ञान से लैस करके और पर्यावरण के प्रति जागरूक यात्रा अनुभवों को बढ़ावा देकर ग्रामीण समुदायों का उत्थान करना है।

2. किसानों को सशक्त बनाना

कृषि हमारे ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ है, और हम इसकी उन्नति के लिए समर्पित हैं:

*उत्पादकता और उपज बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक कृषि मशीनरी का उपयोग।

*किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए डिज़ाइन की गई सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का विवरण देने वाले रणनीतिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन।

*आधुनिक कृषि पद्धतियों, टिकाऊ प्रथाओं और कौशल विविधीकरण में प्रशिक्षण प्रदान करना।

3. बच्चों को शिक्षित करना और उनका उत्थान करना

हम दगड़िया अगली पीढ़ी को आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर प्रदान करके उनका पोषण करने में विश्वास करते हैं। हमारी पहलों में शामिल हैं:

- बच्चों को उनके क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए विभिन्न शिक्षण शिविरों के बारे में जानकारी देना।

- बेहतर शैक्षिक संसाधनों और परामर्श कार्यक्रमों तक पहुंच की सुविधा प्रदान करना।

- गढ़वाल के चयनित छात्रों को क्षेत्र के बाहर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करना, उन्हें उज्ज्वल भविष्य के अवसर प्रदान करना।

-चयनित स्कूलों में छात्रों को आवश्यक तीरंदाजी किट और प्रशिक्षण सहायता प्रदान करके और उन्हें निकट भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने में सक्षम होने के लिए प्रशिक्षित करके एक तीरंदाजी केंद्र बनाना।

4. स्थायी पर्यटन

हम जिम्मेदार पर्यटन का समर्थन करते हैं जो प्रकृति का सम्मान करता है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है। जब आप हमारे साथ यात्रा पर निकलते हैं, तो आप केवल ग्रामीण परिदृश्यों के वैभव को नहीं देखते हैं - आप स्थिरता की दिशा में एक आंदोलन का एक अभिन्न अंग बन जाते हैं। दगड़िया ने डाबर गांव में एक सुंदर झील बनाने की परियोजना की कल्पना की है जो एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण के रूप में काम करेगी, जहां केवल जैविक उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे और इसके विकास और संचालन के लिए टिकाऊ सामग्री का उपयोग किया जाएगा। उम्मीद है कि इस परियोजना से आसपास के गांवों के कम से कम 100 युवाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

5. बदलाव लाने में हमसे जुड़ें

आपका समर्थन सार्थक परिवर्तन की दिशा में एक आंदोलन को बढ़ावा देगा। चाहे आप स्थायी रूप से यात्रा करना, स्थानीय किसानों को सशक्त बनाना, शिक्षा के माध्यम से बच्चों का उत्थान करना या हमारे हित की वकालत करना चुनते हैं, आप दगड़िया के मिशन का एक अनिवार्य हिस्सा बन जाएंगे।

साथ मिलकर, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं जो पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ और आर्थिक रूप से फायदेमंद दोनों हों।

अशोक डबराल
सचिव

केदारनाथ, बद्रीनाथ के पवित्र शहर और गोमुख, गंगोत्री और यमनोत्री जैसे तीर्थ स्थानों ने उत्तराखंड को देवभूमि की उपाधि दी है। नैनीताल और मसूरी जैसे शहर वर्षों से अपने प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध हैं। राजधानी देहरादून, सबसे शानदार रत्न है, जहाँ बहुत से सुस्थापित अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय हैं और यह भारतीय सैन्य अकादमी का घर भी है। दुनिया की योग राजधानी ऋषिकेश, अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव की मेजबानी करती है, जिसमें दुनिया भर से योग के प्रति उत्साही लोग आते हैं। इसके कई मंदिर और आश्रम आमतौर पर तीर्थयात्रियों से भरे रहते हैं। स्थानीय और विदेशी दोनों तरह के पर्यटक व्हाइट वाटर राफ्टिंग और बंजी जंपिंग जैसे साहसिक खेलों के लिए ऋषिकेश आते हैं। लेकिन पौड़ी गढ़वाल के गाँव काफी हद तक उपेक्षित और दुर्गम बने हुए हैं, हालाँकि वे ऋषिकेश से केवल 75 किमी दूर हैं। बर्फ से ढकी चोटियों के शानदार दृश्यों, सफेद, गुलाबी और लाल बुरांश के पेड़ों के साथ देवदार और चीड़ के जंगलों के साथ निचले हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता से धन्य होने के बावजूद, उत्तराखंड का पौड़ी गढ़वाल खंड अपने लोगों के लिए एक स्थायी रहने का वातावरण प्रदान करने में अन्य जिलों से पीछे है, और कई गांव अभी भी दूरस्थ हैं। चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी, विश्वसनीय परिवहन और पक्की सड़कों जैसे अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों की कमी ने लोगों को पास के शहरों में नौकरी के अवसरों की तलाश में अपने घरों और खेतों को छोड़ने के लिए मजबूर किया है। नवंबर 2000 में राज्य की स्थापना के बाद से गांव के बाद गांव के दरवाजों पर ताले लगने से निराशा और लगातार सरकारों के साथ मोहभंग की कहानी बताते हैं।

फिर भी, सब कुछ खत्म नहीं हुआ है, अभी ! पहाड़ी घरों के लिए अपने दिल में प्यार और अपनी मातृभूमि का गौरव वापस लाने के दृढ़ संकल्प के साथ कुछ डबराल बंधु अपने क्षेत्र में बहुत सक्रिय हैं। उनका दृष्टिकोण दो-आयामी है, पहला, अपने जीर्ण-शीर्ण या उपेक्षित घरों का पुनर्निर्माण करना और अपने गांव को रहने योग्य बनाना, और दूसरा, गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ताकि गांव के लोग अपने बच्चों के लिए स्कूलों की तलाश में शहरों की ओर पलायन न करें। जिस धरती पर जन्म लिया उसका कर्ज व फर्ज इस शरीर पर है, उसे उतारना चाहिए। पर कैसे? मन में अपनी जन्मभूमि के लिए कुछ करने की इच्छा जागी तो कुछ सहयोगियों के संग एक एनजीओ की स्थापना की और नाम रखा दगड़िया ! दगड़िया गढ़वाली भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है, दोस्त, यार, मित्र फ्रेंड्स फॉरएवर ! आप बोलेंगे किसका दगड़िया, तो हमारा मानना है कि जो लोग पहाड़ों के कठिन जीवन शैली के साथ अभी भी अपनी जन्मभूमि को आबाद किए हुए हैं और हमारे उत्तराखंड के घरों में चूल्हे जलाकर रखे हुए हैं उनका दगड़िया। 60-70 के दशक में जन्म लेकर शहरों की ओर पलायन करने वाले उत्तराखंडी आज शायद रिटायरमेंट का आनंद ले रहे होंगे। पर क्या कभी मन में आता है कि जिस धरती के पंचतत्व इस शरीर में विद्यमान हैं, उसके लिए हमारे भी कुछ कर्तव्य बनते हैं। घर उजड़ रहे हैं और खेत बंजर हो गए हैं। हमारे पूर्वजों के अथक मेहनत व खून पसीना सब बेकार जा रहा है ! गाँव के गाँव खाली हो रहे हैं। जो लोग रह गए हैं, अकेले हैं और उन्हें जरूरत है एक दगड़िया की जो उनके बच्चों को शिक्षा की राह दिखा पाए, उनके खेतों को कैसे पुनः हरा भरा किया जा सके इसमें सहयोग करें। क्या करें कि गाँव के लोग अपने घरों की सुध ले सकें और घरों को फिर से बनायें।

इस प्रयास को धरातल में उतारने के लिए हमारा संगठन “दगड़िया” उत्तराखंड के पौड़ी जिले में कुछ कर गुजरने के उद्देश्य से कार्यरत है। यह प्रयत्न सागर में एक बूँद साबित हो सकता है, किन्तु उत्तराखंड में अपनी जड़ों को पुनः हरा भरा करने के उद्देश्य से दगड़िया नामक गैर सरकारी संगठन की परिकल्पना श्रीमती नीरजा डबराल शर्मा के संरक्षण में (जिन्हें हांगकांग में अध्यापन का 40 वर्ष का अनुभव है), वायु सेना से सेवानिवृत्त व विभिन्न मेट्रो परियोजनाओं में अनुभवी मधुसूदन डबराल की अध्यक्षता में, सुभाष डबराल के मार्गदर्शन तथा अपने कार्य क्षेत्र में महारथ अन्य डबराल बंधुओं के सहयोग से की गई ! विकास की धारा को और मजबूत करने के संकल्प से इस विकास यात्रा में गिरजा डबराल (सेवा निवृत्त विंग कमांडर), सतीश डबराल (सेवा निवृत्त कंपनी कमांडर), विजय प्रकाश डबराल, प्रफुल्ल डबराल, अशोक डबराल, प्रजा डबराल (वरिष्ठ संपादक) आदि विभूतियाँ इस संगठन में सम्मिलित हुईं। क्षेत्र में शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक व कृषि विकास के लिए निवासियों के कंधे से कन्धा मिला कर उनका अनन्य साथी “दगड़िया” बनकर पहली पहल बालिकाओं के लिए एक कौशल विकास शिविर के आयोजन से किया है। हमारा उद्देश्य युवाओं को गाँव में ही रोजगार के अवसर प्रदान करना, स्किल डेवलपमेंट कैम्पों के आयोजनों द्वारा युवाओं में आत्मविश्वास जगाना। युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना। वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, कृषि को लाभकारी बनाना। क्षेत्र में पर्यटन को वह भी मुख्यतः आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्य करना।

कारवां चल पड़ा है और इस दिशा में हमने एक 8 दिवसीय कौशल विकास कैम्प का आयोजन क्षेत्र की 28 बालिकाओं के लिए आयोजित किया था जो बहुत ही प्रभावशाली व सफल रहा। आप भी अगर इस यात्रा में हमारी नाव में सवार होना चाहते हैं तो आपका हृदय से स्वागत है। एक साथ हम असंभव को भी संभव कर सकते हैं।

प्रजा दत्त डबराल
सम्पादक

अध्यक्ष की कलम से

"दगड़िया" उत्तराखंड में कार्यरत एक गैर सरकारी संगठन है जो पर्वतीय क्षेत्र में जनता के बौद्धिक, आर्थिक व सामाजिक उत्थान के लिए प्रयासरत है। "दगड़िया" गढ़वाली भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है " परम मित्र"। वह मित्र जो हर वक्त हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा हो। इसी विचार को चरितार्थ करने के लिए इस संगठन की अवधारणा की गई है। अगर हर प्रवासी उत्तराखण्डी अपने गांव के विकास हेतु संकल्प ले लेता है तो अवश्य ही स्थिति बदल सकती है। सरकार यदि हर गांव तक सड़क, उपचार व संचार की सुविधा प्रदान कर दे तो अधिकतम प्रवासी पुनः अपने गांव का रुख कर सकते हैं। एक साझा रणनीति बना बनाई जाये जिसमें सरकार मुख्य भूमिका निभाये। हर गांव क्षेत्र के लोगों के समूह बनाये जाएँ, जिनका उत्तराखंड के प्रति लगाव हो और जो वहां के विकास के लिए कार्य करना चाहते हों।

उत्तराखंड को हम देव भूमि कहते हैं, किन्तु आप किसी भी गांव में जाओ बिना शराब के कोई कार्य नहीं होता है। इसके कारण समाज के पुरुषों में निष्कृष्टता बढ़ती जा रही है और शारीरिक क्षमता कम होती जा रही है जिससे परिवारों में बिखराव, विशेषतः महिलाओं को परिवारिक लालन पोषण में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस चलन को तोड़ना आवश्यक है। हर गांव को आध्यात्मिक गांव बनाने हेतु प्रेरित करना आवश्यक है जो कि हमारी संस्कृति का मूल है।

हर परिवार जो शहर में रहता है साल में कम से कम 36 दिन अपने परिवार के साथ गांव में बिताये और जो भी आवश्यक खरीदारी करनी है गांव की दुकान या बाजार से खरीदें। यह कदम उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगा और गांव के लोगों की आमदनी भी बढ़ाएगा! शहर वापसी के समय उत्तराखंड के प्राकृतिक उत्पादों को खरीदें जो उनके परिवार को स्वस्थ रखने में सहायक रहेंगे।

आज प्राकृतिक भोज्य पदार्थों की मांग दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है, अतः सरकार को भूमि की उपजाऊ शक्ति को देखते हुए, हर ब्लॉक के लिए अलग अलग तरह के उत्पादों को बढ़वा देना चाहिए जैसा कि हम डबरालस्यूं को उन्नत किशम की हल्दी के उत्पादन के लिए प्रयासरत हैं और DRDO और UNNA की सहायता से हल्दी की एक उन्नत किशम के उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। डबरालस्यूं अनेक गांवों में लगभग २००० किलोग्राम हल्दी लगाई गई है और इसके विस्तार की लिए हम तन, मन और धन से प्रयासरत हैं।

शिक्षा भी एक महत्वपूर्ण विषय है और पलायन का एक बड़ा कारण भी है। अतः सामूहिक प्रयत्नों से शिक्षा का स्तर बढ़ाने की लिए समाज की भी जिम्मेवारी बनती है। इस दिशा में हमारा NGO समय समय पर कौशल विकास कैंप लगाता रहता है और क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने की लिए ऑनलाइन क्लासेज भी देता रहता है।

शिक्षा में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खेलों का बहुत अधिक महत्व है। हमने तीरंदाजी को पर्वतीय क्षेत्रों में जहाँ इसकी उपस्थिति नगण्य है, को एक मिशन के रूप में लिया है और देवीखेत स्कूल में पहली आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की हैं। हमारा सपना पहाड़ के बच्चों को राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हुए देखना है।

हमारी धरती नैसर्गिक सुंदरता से भरी हुई है। यदि सरकार व समर्थ प्रवासी एक जुट होकर प्रयास करें और अपने विचार, समय, श्रम व अर्थ रूपी खाद से अपनी मातृभूमि की सूखती जड़ों पुनः हरा भरा करने हेतु कार्यरत हो जायें तो स्थिति बदल सकती है। हम अपनी जन्मभूमि के बचे हुए परिवारों के दोस्त (दगड़िया) बन जाएँ तो उनके जीवन में एक नयी चेतना का सृजन हो सकता है और हमारे सुन्दर पहाड़ वीरान होने से बच सकते हैं।

आओ "दगड़ियों" इस यात्रा में सामूहिक रूप से अपनी मातृभूमि के गौरव को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए हमारे इस प्रयास के साथ जुड़ने हेतु आपका स्वागत है।

मधु सूदन डबराल
अध्यक्ष

संरक्षक की कलम से

मेरा सौभाग्य है कि मैं दगड़िया से जुड़ी हूँ और मुझे अवसर मिला है अपने डबराल गाँवों के लिए कुछ करने का। दगड़िया की परिकल्पना मधुसूदन डबराल ने जिस उद्देश्य से की थी वह पूरी हुई है या नहीं यह तो जिनके हित में किया था वही बता सकेंगे। पर इस पहले प्रयास से हमने क्या सीखा और हमें किन परिस्थितियों को ध्यान में रखना होगा भविष्य में, इस पर प्रकाश डालना उचित है। इस प्रतिवेदन में, मैं सिर्फ कैम्पों पर अपने विचार रख रही हूँ।

प्रतिभागियों का स्तर:- हमारा पहला प्रयास 2 से 9 जनवरी 2025 तक का स्किल डिवेलपमेंट कैम्प था जिसमें भाग लेने वाली छात्राएं 11 और 25 की उम्र की थीं। बड़ी उम्र की लड़कियों को हमने इस विचार से शामिल किया था कि हमें कुछ स्नातक की हुई लड़कियां मिल जाएंगी जो भविष्य में प्रायोजित कैम्पों को चलाने में हमारी मदद कर पाएंगी। हमने छठी पास लड़कियों को नहीं लेना उचित समझा था क्योंकि हमने सोचा था कि बड़े क्लास की छात्राओं का स्किल डिवेलपमेंट ज्यादा जरूरी है। लेकिन छठी क्लास के बच्चे इतने उत्साहित थे पढ़ने के लिए कि हम उन्हें मना नहीं कर सके। हम संतुष्ट हैं कि छोटी और बड़ी उम्र की सभी लड़कियों ने पूरे उत्साह और लगन के साथ कैम्प में भाग लिया। शादीशुदा लड़कियों को घर के काम या बच्चे की वजह से कुछ दिक्कतें हुई लगातार आठ दिनों तक नौ बजे से तीन बजे तक उपस्थित होने में। इसलिए हम उनको टीचिंग असिस्टेंट या ग्रुप लीडर के रूप में तैयार नहीं कर सके। उचित यही होगा कि भविष्य में छठी से बारहवीं कक्षा की छात्राओं को ही शामिल किया जाए।

भाषा कौशल विकास के लिए अंग्रेजी विषय का चयन:- हमारा उद्देश्य था कि प्रतिभागियों को मौलिक विषयों पर अंग्रेजी में आम बातचीत को सुनना, समझना और जवाब देना सिखाएं। साथ ही प्रतिभागियों का आत्मविश्वास भी बढ़ाना था। हमें एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग के माध्यम से ही पढ़ाना था। इसलिए हमने संगीत, नृत्य और खेलों का सहारा लिया जिसे प्रतिभागियों ने खूब सराहा! वंशेश्वर महादेव मंदिर का हॉल हमारी जरूरत के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। 28 लड़कियां थीं और आसानी से हम खेल सके और एक्टिविटी भी कर सके।

समय और अवधि का चयन:- हमारा दूसरा कैम्प 7 से 17 मई तक चला। यह अग्निवीर प्रत्याशियों के लिए था। इस बार का कोर्स अंग्रेजी ग्रामर पर केंद्रित किया गया था। दो दिक्कतें आईं। पहला यह कि स्कूल में छुट्टियां नहीं थीं। बच्चे स्कूल के बाद तीरंदाजी की प्रैक्टिस करते और फिर चार बजे से छः बजे तक क्लास करते। कुछ बच्चे थक जा रहे थे। दूसरी दिक्कत पानी की थी। मंदिर परिसर में पानी की कमी थी इसलिए नीचे गाँव जा कर क्लास लेना पड़ा। इस बार प्रतिभागी छोटे बच्चे थे लड़के तथा लड़कियां भी और छोटे क्लास के थे। जो टीचिंग मैटीरियल तैयार किए गए थे बड़ी क्लास के बच्चों के लिए वो उपयोग में नहीं आया बल्कि नए खेल तथा टीचिंग मैटीरियल तैयार करने पड़े। भविष्य में हमें स्कूल की छुट्टियों के समय में ही कैम्प आयोजित करना चाहिए।

निष्कर्ष रूप में, मैं यहीं कहना चाहूंगी कि गांव के बच्चे बहुत ही प्रतिभाशाली और होशियार हैं। उन्हें प्रेरित करना आसान है। अफसोस कि हम गांव में रह कर उनकी मदद नहीं कर सकते।

नीरजा कुकरेती
संरक्षक

शुभकामना सन्देश



Lt Gen Arvind Singh Rawat, (Veteran)
MMS, MBA(Mtrls), MBA(SCM), MIMA
Hony. Fellowship (IIMM)

Mobile- +91: 8889317776
Email : arvindsrawat2909@yahoo.in

Flat No 2101
Solomon Heights, Bhagwati CGHS
Plot No-8, Sector-19B
Dwarka
New Delhi-110075



GREETINGS MESSAGE

I am delighted to learn that the “**Dagdiya Jan Kalyan Samiti**” which is engaged in several social causes in Uttarakhand, is publishing its first memorial. At the core of Dagdiya Samiti is the commitment to nourish the land of their birth by contributing their time, money and vision, so that those who preserve Uttarakhand’s heritage do not feel helpless and alone.

Mrs Neerja Kukreti, the Guardian and Mr Madhusudan Dabral, the Chairman of the committee informed me about the goals of his organisation and the activities undertaken by him in Uttarakhand, which are very commendable.

I am hopeful that under the guidance of able leadership, the Committee will succeed in achieving its multifaceted goals.

I extend my “**Heartiest Congratulations**” to the

Dagdiya Committee on the publication of its first souvenir.

शुभकामना सन्देश

प्रदीप डबराल,

सेवा नि० प्रधानाचार्य, (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित)

पूर्व सदस्य विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड।

pradeepdabral11@gmail.com

124/2-3 गंगा विहार, हरिद्वार रोड,

देहरादून, उत्तराखण्ड

मो० 9412149039

शुभकामना संदेश

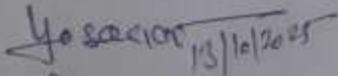
अत्यधिक प्रशन्नता का विषय है कि 'दगड़िया' जनकल्याण समिति, ग्राम डाबर, पौड़ी गढ़वाल के द्वारा स्मारिका (2024-2025) के प्रकाशन का निर्णय लिया गया है।

'दगड़िया' संस्था के नाम में ही सबको समाहित करने का संदेश छिपा है। इस पवित्र उद्देश्य को लेकर स्थापित संस्था के किया कलापों का अवलोकन करने पर विदित होता है कि संस्था अपने नाम के अनुरूप समाज के सक्षम जन समुदाय को जोड़ कर क्षेत्र की जनता के लिये सराहनीय कार्य कर रही है।

बच्चों में कौशल विकास करने, महिलाओं में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता विकसित करने, किसानों को सशक्त करने, अपनी संस्कृति के प्रति स्थानीय निवासियों को जागरूक करने व पलायन कर चुके क्षेत्रवासियों को क्षेत्र के विकास की गतिविधियों से जोड़ने के लिये समर्पित यह संस्था अनुकरणीय कार्य कर रही है तथा अपने नाम को भी सार्थक कर रही है। संस्था यह भी संदेश दे रही है कि अपने क्षेत्र के विकास के लिये उत्तराखण्डवासियों को मात्र सरकार पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिये वरन् प्रबुद्ध प्रवासियों द्वारा अपने सामाजिक स्तर व आर्थिक संपन्नता का प्रयोग क्षेत्र के विकास के लिये करना चाहिये।

समिति के पदाधिकारियों की सूची का अवलोकन करने से विदित होता है कि समिति का दायित्व अत्यंत प्रबुद्ध जनों के हाथ में है। संस्था के माननीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन डबराल जी की योग्यता व क्षमता से मैं व्यक्तिगत रूप से परिचित हूँ। उनके व सभी पदाधिकारियों के समर्पणभाव व सक्रियता के लिये मैं सभी के प्रति बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिये समिति को अनन्त शुभकामनायें।

 13/10/2025

प्रदीप डबराल

मूल गांव- मसोगी

हाल निवास - देहरादून।

शुभकामना सन्देश



ॐ श्री गणेशाय नमः

ॐ

ॐ श्री वंशेश्वराय नमः

डब्राल बन्धु जन विकास समिति, (रजि०), देहरादून

रजिस्ट्रेशन सँख्या- UK06008122022010051

मकान नं० 192, लेन नं० - 3 अशोक विहार, हरिद्वार बाई पास रोड (निकट कनिष्क हॉस्पिटल), देहरादून

पत्रांक.....

दिनांक.. 14-10-2025

संरक्षक
श्री श्रीबिलास डब्राल
मो०- 9458914158

अध्यक्ष
श्री उमाकान्त डब्राल
मो०- 9412047971

उपाध्यक्ष
श्री संतप्रकाश डब्राल
मो०- 7579092651

सचिव
श्री सतीश चन्द्र डब्राल
मो०- 9760377848

उपसचिव
श्री पूर्णानन्द डब्राल
मो०- 9412973831

कोषाध्यक्ष
श्री प्रकाश चन्द्र डब्राल
मो०- 9411516021

सांस्कृतिक सचिव
श्रीमती किरन डब्राल
मो०- 8650146161

ॐ शुभकामना संदेश ॐ

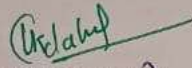
‘दगड़िया’ जनकल्याण समिति, ग्राम डाबर, पौड़ी गढ़वाल के द्वारा अपनी वार्षिक गतिविधियों के विषय में प्रथम स्मारिका (2024-2025) के प्रकाशन का निर्णय अत्यंत सराहनीय कदम है।

स्मारिका के लिये दो शब्द लिखने का आदेश हुआ है। वास्तव में अपने अल्पकाल में जितना व्यापक कार्य इस संस्था के द्वारा किया गया है उसको सीमित शब्दों में समाहित करना सम्भव नहीं है। **डब्राल बन्धु जन विकास समिति (रजि०)** का अध्यक्ष होने के नाते मुझे संस्था के संचालन में लगने वाले शारीरिक व मानसिक श्रम का भान है।

मेरा परम सौभाग्य है कि विगत दिनों संस्था द्वारा बालिकाओं के लिये आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम एवं छात्रों को दी गयी आर्चरी प्रशिक्षण के अवसर पर मुझे स्वयं उपस्थित रहने का अवसर प्राप्त हुआ व संस्था के पदाधिकारियों के समर्पण भाव को मैंने निकट से देखा। संस्था के अध्यक्ष आदरणीय मधुसूदन डब्राल जी के बहुआयामी निपुणताओं से तो मैं पूर्व से ही अवगत हूँ, परंतु संस्था की संरक्षक श्रीमती नीरजा डब्राल जी, जो हांगकांग में चार दशक तक शिक्षण क्षेत्र के विशाल अनुभव के साथ कार्य क्रम में सतत उपस्थित रही, की सेवा भावना ने भी मुझे बहुत प्रेरित किया है। क्षेत्र की मात्र शक्ति को स्व-व्यवसाय विकसित करने व पर्यावरण जागरूकता के लिये किये गये संस्था के प्रयास निश्चित ही फलीभूत होंगे। संस्था द्वारा आर्चरी में प्रशिक्षित छात्रों द्वारा उच्च स्तर तक प्रतिभाग किया गया। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा किये गये कार्य लक्ष्य तक पहुँच रहे हैं। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आपकी कार्यशैली का लाभ मुझे डब्राल बन्धु जन विकास समिति(रजि०) के संचालन में भी प्राप्त होगा।

समिति के पांच उद्देश्यों से ही स्पष्ट हो जाता है कि संस्था का चिंतन व्यापक व बहुआयामी हैं। सक्षम नेतृत्व के मार्गदर्शन में संस्था अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में निश्चित सफल होगी, ऐसी कामना करता हूँ।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिये बहुत बहुत शुभकामनायें।


(उमाकान्त डब्राल)

अध्यक्ष, डब्राल बन्धु जन विकास समिति (रजि०)

देहरादून, उत्तराखण्ड।

दगड़िया समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में किये गए सामाजिक कार्य

1. कौशल विकास शिविर - बंशेश्वर महादेव मंदिर (2 जनवरी से 9 जनवरी 2025 तक)

यह सागर में एक बूंद हो सकता है, किन्तु उत्तराखंड में अपनी जड़ों को पुनः हरा भरा करने के उद्देश्य से दगड़िया नामक गैर सरकारी संगठन की परिकल्पना श्रीमती नीरजा डबराल शर्मा के संरक्षण में जिन्हें हांगकांग में अध्यापन का 40 वर्ष का अनुभव है, वायु सेना से सेवानिवृत्त व विभिन्न मेट्रो परियोजनाओं में अनुभवी मधुसूदन डबराल की अध्यक्षता में, श्री सुभाष डबराल के मार्गदर्शन तथा अपने कार्य क्षेत्र में महारथ हासिल अन्य डबराल बंधुओं के सहयोग की गई। क्षेत्र में शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक व कृषि विकास के लिए निवासियों के कंधे से कंधा मिला कर उनका अनन्य साथी "दगड़िया" बनकर पहली पहल बालिकाओं के लिए एक कौशल विकास शिविर के आयोजन से किया है। इस 8-दिवसीय शिविर ने निश्चित रूप से दुनिया भर के सभी डबरालों के लिए एक ऊर्जा की तरह काम किया है। यह पहला जीवन कौशल विकास शिविर जो केवल लड़कियों के लिए तैयार किया गया था, 2 से 9 जनवरी, 2025 के बीच आयोजित किया गया था और इसमें 8 गांवों से प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनके नाम हैं देवीखेत, डाबर, डांगला, जमाल, धौरी, टिमली, गूम और दिखैत हैं। आयोजक यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह कार्यक्रम मुख्य रूप से विभिन्न शहरों में बसे हुए डबराल बंधुओं के सहयोग से जिसमें प्रमुख रूप से नील क्रिएशन दिल्ली, उत्तराखंड एसोसिएशन (UNNA), डबराल बंधु जनविकास समिति देहरादून, राकेश डबराल दिल्ली व कई अन्य डबराल बंधुओं द्वारा चलाया गया था, लेकिन इसका लाभ इन गांवों में रहने वाले हर परिवार को मिला, न कि सिर्फ डबराल लड़कियों को। शुरुआती योजना सिर्फ 13 से 20 साल की लड़कियों को पंजीकृत करने की थी, लेकिन उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में उद्यमिता शिविर चलाने वाले सुभाष डबराल की सलाह पर, भविष्य के शिविरों में सहायक के तौर पर उपयुक्त उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से स्नातक और विवाहित लड़कियों को भी इसमें शामिल किया गया। आश्चर्यजनक रूप से, शिविर के लिए 28 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जो कि अपेक्षा से कहीं ज्यादा था।

मिशन का उद्देश्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य विकास और आत्मविश्वास निर्माण को बढ़ाने के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना था, इसलिए वैदिक गणित, योग, मुख्य रूप से प्राणायाम, ध्यान, अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, व्यक्तिगत स्वच्छता जागरूकता बढ़ाना और बुनियादी बोली जाने वाली अंग्रेजी को इस गहन 8-दिवसीय कार्यक्रम में शामिल किया गया था। यह जरूरी था कि एक गतिविधि आधारित शिविर चलाया जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभागियों को शिविर की पूरी अवधि सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक व्यस्त रखा जाए। इस उद्देश्य के लिए, इस कार्यक्रम के पीछे के दिमाग मधुसूदन डबराल ने प्रतिभागियों को सक्रिय करने के लिए शारीरिक फिटनेस अभ्यास जोड़े और बोली जाने वाली अंग्रेजी घटक में आइस-ब्रेकर और इंटरैक्टिव गेम जैसे द बर्थडे चैन और एयरप्लेन फॉर्मेशन गेम, फाईंड समवन हू गेम, नेम गेम, साइमन सेज़ गेम और सॉन्ग डू रे मी शामिल

दिन 1 (2 जनवरी, 2025) 2 से 9 जनवरी, 2025 के दगड़िया जीवन कौशल विकास शिविर का उद्घाटन गुमल ग्राम पंचायत के सदस्य श्री विनोद डबराल, देहरादून डबराल बंधु जन विकास समिति के कार्यकारी समिति के सदस्यों और दगड़िया जन कल्याण समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन के बाद, श्री अरुण डबराल द्वारा संचालित स्तन कैंसर जागरूकता सत्र का संचालन सुश्री गुंजन वाथी ने किया, जो स्वयं एक कैंसर सर्वाइवर और युवराज कैंसर फाउंडेशन की सदस्य हैं। नियमित रूप से वंशेश्वर महादेव मंदिर में कीर्तन करने वाली महिलाओं और शिविर प्रतिभागियों को दिखाया गया कि स्तन कैंसर का पता कैसे लगाया जाए और यह सुनिश्चित करने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए कि वे इस बीमारी का शिकार न बनें। सुश्री गुंजन ने इस तथ्य पर जोर दिया कि स्तन कैंसर एक घातक बीमारी नहीं है और किसी को यह मानने की ज़रूरत नहीं है कि कैंसर का पता चलने पर निश्चित रूप से मृत्यु हो जाएगी। उन्होंने कैंसर से जुड़े सामान्य मृत्यु के डर को खत्म करने के महत्व पर जोर दिया। इस पाठ के साथ उद्घाटन समारोह और कैंसर जागरूकता वार्ता के कुछ शॉट्स हैं।

दिन 2 (3 जनवरी, 2025) शिविर का शिक्षण पहलू 3 जनवरी को श्री मधुसूदन डबराल द्वारा सुबह प्राणायाम और ध्यान सत्र आयोजित करने के साथ शुरू हुआ। प्राणायाम के प्रत्येक सत्र की शुरुआत वार्म अप रूटीन से की गई। इसके बाद एम एस डबराल ने वैदिक गणित पर एक सत्र आयोजित किया। भागीदारी बहुत उत्साहपूर्ण थी, हालांकि कक्षा 7 और 9 में पढ़ने वाली कुछ युवा लड़कियों को यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण लगा। हमने पाया कि स्कूलों में अब छात्रों को अपने टेबल याद करने की आवश्यकता नहीं है और यह मानसिक गणनाओं को जल्दी से करने में बाधा है जो वैदिक गणित के लिए महत्वपूर्ण है। ब्रेक के बाद सुश्री नीरजा शर्मा ने प्रतिभागियों को पाँच समूहों में विभाजित किया और प्रत्येक समूह को नेता नियुक्त किया। पाठ 1 की सामग्री के साथ पाठ जारी रहा, जिसमें संचार कौशल के बुनियादी घटक शामिल थे जैसे छोटे और बड़े अक्षरों को पहचानना, व्यक्तिगत विवरण और व्यक्तिगत जानकारी मांगने और देने से संबंधित शब्दावली के साथ एक फॉर्म भरना। पाठ 2 में अपने परिवार के बारे में बात करना और अपने परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी मांगने और देने से संबंधित शब्दावली का अभ्यास करना शामिल था। प्रतिभागियों के बीच बातचीत अच्छी रही। उच्चारण सुधारने और प्रवाह को बढ़ाने के लिए, सामूहिक और समूह अभ्यास दिया गया और प्रतिभागियों को जानकारी का आदान-प्रदान शुरू करने से पहले प्रश्नों को दोहराना था। दिन 2 के दोपहर के सत्र में पाठ 3 को पूरा करने का निर्णय लिया गया क्योंकि उद्घाटन समारोह और कैंसर जागरूकता सत्र ने हमें दिन 1 की समय सारिणी का पालन करने का कोई समय नहीं दिया था। पाठ 3 में घर के बारे में बात करना शामिल था, इसलिए घर से संबंधित शब्दावली जिसमें फर्नीचर और घरेलू वस्तुओं के नाम शामिल थे, का अभ्यास किया गया। प्रतिभागियों को शब्द तनाव की अवधारणा से परिचित कराया गया। प्रत्येक शब्द को स्पष्ट रूप से बोला गया और प्रतिभागियों से पूछा गया कि वे

प्रत्येक शब्द में कितने भाग सुन सकते हैं। शब्द को फिर से दोहराया गया और प्रतिभागियों को यह बताना था कि प्रत्येक शब्द में कौन सी ध्वनि सबसे मजबूत थी।

दिन 3 (जनवरी 4, 2025) श्री मधुसूदन डबराल डबराल ने दिन 3 की शुरुआत कुछ वार्म-अप फिटनेस अभ्यासों के साथ की, उसके बाद प्राणायाम और ध्यान किया। सुश्री नीरजा शर्मा ने शरीर के अंगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ 4 के साथ अगले सत्र का नेतृत्व किया। प्रतिभागियों को शरीर के अंगों के नामों का अभ्यास करने के लिए नामित भागों को छूने जैसी क्रियाओं के साथ एक छोटा गीत हेड एंड शोल्डर नीज़ एंड टोज़ सिखाया गया। परिवार और घर से संबंधित शब्दावली को संशोधित किया गया। इस सत्र में शब्द तनाव को पहचानने का अभ्यास मुख्य फोकस था और प्रतिभागियों को उस ध्वनि की पहचान करनी थी जिसमें सबसे अधिक तनाव था। शब्दों को बोर्ड पर छोटे और बड़े ओ के साथ चिह्नित किया गया था और प्रतिभागियों को अपनी पुस्तिकाओं में नए शब्दों की सूची को छोटे और बड़े ओ के साथ चिह्नित करना था। साइमन सेज़ गेम के साथ निर्देश देने का अभ्यास किया गया, जो छात्रों के लिए सबसे लोकप्रिय गतिविधि बन गई। श्री सुभाष डबराल, जो एक दिन पहले शिविर में शामिल हुए थे, ने उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में नेतृत्व और उद्यमशीलता कौशल के शिक्षक के रूप में अपने काम के बारे में जानकारी साझा की और प्रतिभागियों को उनके जीवन में मूल्यों और सॉफ्ट स्किल्स के महत्व की याद दिलाई! दोपहर के सत्र में एन शर्मा डबराल द्वारा पाठ 5 पढ़ाया गया, जिसमें कपड़ों से संबंधित शब्दावली पेश की गई और कपड़ों का वर्णन करने वाले वाक्य सिखाए गए। प्रतिभागियों को यह बताना था कि उन्होंने क्या कपड़े पहने हैं और उनके साथी ने क्या पहना है। दोपहर के सत्र का समापन एम एस डबराल द्वारा वैदिक गणित के विभिन्न सूत्रों को पढ़ाने के साथ हुआ। प्रतिभागियों को कई संख्याओं की गणना में तेजी लाने के लिए 20 तक के पहाड़े सीखने के महत्व की याद दिलाई गई।

दिन 5 (6 जनवरी, 2025) दिन की शुरुआत में, पहले 40 मिनट के लिए, मधुसूदन डबराल ने एक प्रतिभागी को, जिसने अब तक सांस लेने की तकनीक काफी संतोषजनक ढंग से सीख ली थी, पूरे समूह का नेतृत्व करने के लिए कहा, जबकि वह कमजोर प्रतिभागियों पर नज़र रखता था। इसके बाद एन एस ने पाठ 7 में पक्षियों और जानवरों के विषय का परिचय देते हुए प्रतिभागियों से पूछा कि वे अपने गाँवों में कौन से जंगली जानवर देख सकते हैं। जब शिक्षार्थी गतिविधियों के माध्यम से सीखते हैं, तो वे अवचेतन रूप से अंग्रेजी में निर्देशों को आत्मसात करते हैं और उनका पालन करते हैं। नीचे दिए गए निर्देशों जैसे कि, एक कदम आगे बढ़ो, और दो कदम पीछे हटो, अब घूमो, अपना बायाँ पैर हिलाओ, साथी बदलो, आदि ने प्रतिभागियों को कोई समस्या नहीं दी, हालाँकि उन्होंने कभी लाइन डांसिंग के बारे में सुना ही नहीं था, अकेले किसी अंग्रेजी बोलने वाले से नृत्य की शिक्षा ली थी! लाइन डांस करने के लिए, 26 लड़कियों को चार पंक्तियों A, B, C और D में व्यवस्थित किया गया था और उन्हें अन्य पंक्तियों द्वारा बनाए गए मेहराबों के चारों ओर और नीचे जाना था और जबकि शुरुआत में बहुत भ्रम था, कई मिनटों के बाद, प्रतिभागियों को दिए गए नृत्य के चरण याद आ गए। यह देखा गया कि ये लड़कियाँ कक्षा की स्थिति में सक्रिय भागीदारी के लिए अभ्यस्त नहीं हैं। जब उन्हें इधर-उधर घूमने और एक-दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए कहा जाता है, तो वे दिए गए निर्देशों के प्रति असावधान हो जाती हैं और जो उन्हें करने के लिए कहा जाता है उसे अनदेखा कर देती हैं। अनुशासन उनके व्यवहार में नहीं समाया है और वे शोर मचा सकती हैं। यह दर्शाता है कि स्कूल की कक्षा में उनकी भूमिका बहुत निष्क्रिय है।

दिन 6 (जनवरी 7, 2025) दिन की शुरुआत में मधुसूदन डबराल के साथ 30 मिनट के योग और प्राणायाम सत्र के बाद, एन एस ने अपना स्पोकन इंग्लिश सत्र शुरू किया, जिसमें प्रतिभागियों को दैनिक दिनचर्या की भाषा और समय बताने से परिचित कराया गया। चूंकि वे पाठ 1 से 7 में छोटे वाक्यों का उपयोग कर रहे थे, इसलिए पाठ 8 ने उन्हें लंबे प्रश्न पूछने और लंबे उत्तर देने के लिए प्रेरित किया। पाठ 8 में शिक्षण सामग्री को आसान सरल प्रश्नों और उत्तरों से लेकर थोड़े अधिक जटिल वाक्य संरचनाओं तक वर्गीकृत किया गया है। उसके बाद प्रतिभागियों को बुकलेट के अंत में संशोधन कार्य करने का समय दिया गया, ताकि कार्यक्रम में उन्हें सिखाई गई शब्दावली को सुदृढ़ किया जा सके, जिसमें कपड़ों, पक्षियों, जानवरों, घरेलू वस्तुओं और फर्नीचर और शरीर के अंगों जैसे उपयुक्त श्रेणियों में शब्दों को भरकर बॉक्स में भरना गतिविधि पूरी की जा सके। प्रत्येक समूह को उनके उत्तरों की जाँच करने के लिए एक उत्तर कुंजी प्रदान की गई। फिर वाक्य संरचनाओं का अभ्यास पूरी कक्षा के कोरल अभ्यासों के साथ किया गया और विभिन्न समूहों के व्यक्तियों ने लिकिंग शब्दों के साथ-साथ बढ़ते और गिरते स्वरों का उचित रूप से उपयोग करके प्रश्नों को दोहराया। दोपहर के सत्र में मधुसूदन डबराल द्वारा वैदिक गणित, अग्नि सुरक्षा और प्राथमिक उपचार पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की आग और विभिन्न प्रकार की आग को बुझाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं से परिचित कराया गया।

दिन 7 (8 जनवरी, 2025) जैसा कि प्रत्येक शिविर दिवस पर होता था, सुबह की शुरुआत मधुसूदन डबराल ने प्रतिभागियों को वार्म-अप फिटनेस व्यायाम, प्राणायाम, ध्यान और प्रार्थना के साथ ऊर्जा प्रदान करके की, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से सतर्क रहें। फिर जीवन कौशल विकास कार्यक्रम को जारी रखने की बारी एन.एस. की थी। प्रतिभागियों को हिंदी में एक प्रश्नावली दी गई और उनसे अपने समूह में चर्चा करने के लिए कहा गया कि उन्होंने कितनी बार अपने दाँत ब्रश किए, स्नान किया, अपने बाल धोए, शरीर की दुर्गंध को रोकने के लिए अपने कपड़े बदले, सैनिटरी पैड का उपयोग किया, सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करते समय सावधानियाँ आदि। विवाहित लड़कियों शिवानी, सरस्वती और सृष्टि ने अपने-अपने अनुभवों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। पुस्तिका से संशोधन अभ्यास किए गए और प्रतिभागियों ने उन्हें वितरित उत्तर कुंजी के विरुद्ध अपने उत्तरों की जाँच की। दूसरे सुबह के सत्र में, प्रतिभागियों को जोड़े में एक-दूसरे का साक्षात्कार करने की तैयारी करने का समय दिया गया। जैसा कि वे प्रदर्शन कर रहे थे, किम्बर्ली, डेनिस और एन.एस. ने उन्हें 1 से 5 के पैमाने पर अंक दिए, 5 अच्छा और 1 खराब था। स्कोर शीट में आत्मविश्वास, स्पष्टता और

सटीकता के तीन मानदंड थे। प्रत्येक परीक्षक ने अंक दिए और डेनिस ने इन अंकों की गणना की और पहले तीन विजेताओं की घोषणा की। फिर किम्बर्ली और डेनिस ने DO RE MI गाने का अभ्यास किया और प्रतिभागियों को समझाया कि गाने का मंचन कैसे किया जाएगा और उन्होंने जिस लाइन डांस को कोरियोग्राफ किया था, उसे कैसे प्रदर्शित किया जाएगा। जिन प्रतिभागियों ने नृत्य के चरण सीख लिए थे, उन्हें प्रदर्शन शुरू करने के लिए आगे आने के लिए कहा गया और समूहों को उनके हिस्से सौंपे गए। प्रतिभागियों का ऊर्जा स्तर उच्च था क्योंकि उन्हें गायन और नृत्य में आत्मविश्वास मिला था। वैदिक गणित का दोपहर का सत्र भी दिलचस्प था और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया क्योंकि हर सही उत्तर के लिए एमएस छोटे पुरस्कार दे रहे थे। प्रतिभागियों ने वैदिक गणित में अपनी समझ में जो प्रगति की है उसका मूल्यांकन करने के लिए, एमएस ने एक अंतिम परीक्षा तैयार की थी जो प्रतिभागियों को 7वें दिन दी गई थी। स्पोकन इंग्लिश में उनकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए, प्रतिभागियों से एक छोटी व्यक्तिगत प्रस्तुति देने के लिए कहा गया जिसमें उन्होंने बताया कि वे क्या बनने का सपना देखते हैं।

दिन 8 (जनवरी 9, 2025) इस दिन पूरा कार्यक्रम मंदिर परिसर के खुले प्रांगण में आयोजित किया गया। दर्शकों के लिए गढ़वाली लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत करने के इच्छुक प्रतिभागियों द्वारा मंदिर हॉल में अंतिम समय की रिहर्सल चल रही थी। दोपहर 12 बजे समापन समारोह की शुरुआत मधुसूदन डबराल द्वारा तिमली विद्यापीठ में ठहरे हमारे विदेशी मेहमानों और अभिभावकों का स्वागत करने के साथ हुई, जिन्होंने समापन समारोह में शामिल होने के लिए कहा था। आयोजक प्रजा टुडे के मुख्य संपादक श्री प्रजा दत्त डबराल व पत्रिका के उत्तराखंड ब्यूरो चीफ व संगठन के सचिव श्री अशोक डबराल के आभारी हैं, जिन्होंने सभी बालिकाओं को एक एक कॉफी मग उपहार स्वरूप भेंट किये ! शीर्ष तीन विजेता में संध्या ने 3100 रुपये का पहला पुरस्कार जीता, सृष्टि ने 2100 रुपये का दूसरा पुरस्कार जीता और ईशा ने 1100 रुपये का तीसरा पुरस्कार जीता। शिविर के सफल संचालन में योगदान देने वाले विभिन्न लोगों को प्रतिभागियों में से प्रत्येक को 8-दिवसीय शिविर पूरा करने का प्रमाण पत्र सौंपने का सम्मान दिया गया। श्री राकेश डबराल, जिन्होंने तीन शीर्ष नकद पुरस्कारों के लिए धन देने का संकल्प लिया था, सभी प्रतिभागियों के लिए कलाई घड़ियाँ लेकर आए थे, जो उनकी ओर से एक बहुत ही प्रशंसनीय इशारा था और हर कोई उनकी उदारता से अभिभूत था। शिविर आयोजकों का मानना है कि वंशेश्वर महादेव के आशीर्वाद से ही यह पहला शिविर संभव हो पाया है। जीवन कौशल विकास कार्यक्रम का उच्च स्तरीय आयोजन किया गया है। वंशेश्वर महादेव के आशीर्वाद से आयोजकों को उम्मीद है कि स्कूल की छुट्टियों के दौरान न केवल लड़कियों के लिए बल्कि लड़कों और लड़कियों के लिए भी शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। भविष्य में शिविर युवाओं के लिए लेखन, भाषण या खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ वयस्कों और वरिष्ठों के लिए चिकित्सा शिविरों का रूप ले सकते हैं। आयोजकों की यह हार्दिक आशा है कि गांव के विकास की यह छोटी सी चिंगारी जो यहां जलाई गई है, उसे अन्य लोग भी एक धक्का मशाल के रूप में आगे बढ़ाएंगे और उत्तराखंड का हर गांव जगमगाएगा।



तृतीय किशन गोष्ठी - देवीखेत (30 दिसंबर 2024)

दिनांक 30 दिसंबर 2024 को उत्तराखंड फाउंडेशन, एस.आई.एफ, दगड़िया समिति और सी.बी.ई.डी.देहरादून के सौजन्य से डबरालस्यूं के देवीखेत में तृतीय किसान गोष्ठी का दिव्य व भव्य आयोजन किया गया।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि डा.श्री बंसत बल्लभ भट्ट जी, (सीनियर साइन्टिस्ट) डिबेर, डी.आर. डी. ओ., हल्द्वानी, दगड़िया जनकल्याण समिति के अध्यक्ष श्री मधुसूदन डबराल जी तथा प्रजा टुडे के सम्पादक व समाज सेवी श्री प्रजादत्त डबराल जी ने शिरकत की।

उक्त गोष्ठी में डबरालस्यूं के मसोगी, गहली, चमस्यूल, कठूड, डिंडा, स्यालना, जल्ला, डाबर, तिमली, कल्थर, डंगला, नौबाडी, ढौरी, देवीखेत, जुड्ड, ढांडरी छाम आदि गांव से लगभग 70 किसानों ने प्रतिभाग किया जिसमें लगभग 30-32 महिलाओं ने प्रतिभाग किया साथ ही चमस्यूल के ग्राम प्रधान श्री जितेंद्र सिंह गुसाई, ग्राम प्रधान तिमली श्री प्रवीन सिंह, ग्राम प्रधान दिखेत, श्री कैलाश विष्ट ग्राम प्रधान ढौरी श्रीमती सरिता देवी जी एवं क्षेत्रीय गणमान्य व्यक्तियों में श्री सुमन डबराल, श्री शशि भूषण कुकरेती, श्री वीरेंद्र तोमर, श्री सोबन सिंह, श्री सुन्दर सिंह, श्री मेहरबान सिंह गुसाई, श्री सचिदानंद डबराल, श्री राजेश डबराल, श्री आशीष डबराल, श्री सुरेश ममगई, सुरेन्द्र सिंह गुसाई, श्री रवेन्द्र सिंह गुसाई, श्री कैलाश जुयाल, व श्रीमती शान्ति देवी, श्रीमती लक्ष्मी देवी, शान्ता देवी, बीना देवी आदि ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि महोदय डा. श्री बंसत बल्लभ भट्ट जी द्वारा किसानों को कृषि, बागवानी, व हल्दी की खेती पर किसानों को विस्तार पूर्वक तकनीकी जानकारी दी गयी। दगड़िया जनकल्याण समिति के अध्यक्ष श्री मधुसूदन डबराल जी ने भी अपने उद्बोधन में किसानों को खेती एवं बागवानी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। श्री सुभाष डबराल जी ने अपने उद्बोधन में उत्तराखंड फाउंडेशन एवं एस.आई.एफ.के द्वारा पिछले नौ वर्षों में लगभग 12-13 गांवों में किये गये कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

उक्त किसान गोष्ठी में डिबेर, डीआरडीओ, हलद्वानी के द्वारा किसानों को चार सौ किलो हल्दी का उन्नत किस्म का बीज वितरण किया गया जिससे कि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। डिबेर डीआरडीओ ने आश्चर्य किया कि वे भविष्य में भी किसानों को हल्दी का बीज व तकनीकी जानकारी आदि प्रदान करते रहेंगे जो कि डबरालस्यूं के लिए बड़े गर्व का विषय है।

उक्त गोष्ठी में वनश्वेश्वर महादेव स्वयं सहायता समूह व चेलूसैण के प्रगति समूह द्वारा स्थानीय उत्पादों का स्टॉल लगाये गये थे। प्रगति समूह के द्वारा भी किसानों को अपने द्वारा बनाये गये उत्पादों की जानकारी दी गयी।

उत्तराखंड फाउंडेशन के द्वारा डा. बसन्त बल्लभ भट्ट जी, श्री मधुसूदन डबराल जी, श्री प्रजा दत्त डबराल, उन्नत शील किसानों व क्षेत्रीय ग्राम प्रधानों तथा वनश्वेश्वर महादेव समूह के अध्यक्ष एवं प्रगति समूह के अध्यक्ष आदि को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया तथा किसानों के लिए अल्प जलपान व भोजन इत्यादि की व्यवस्था की गयी थी।

गोष्ठी के इस भव्य आयोजन से समस्त किसानों में बड़ों आँ खुशी की लहर देखने को मिली। गोष्ठी को सफल बनाने में दगड़िया जनकल्याण समिति, श्री मुकेश कुकरेती डंगला एवं श्री पवन सिंह नेगी, ढौरी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। गोष्ठी का संचालन श्री मुकेश कुकरेती जी के द्वारा किया गया और समापन व धन्यवाद श्री पवन नेगी जी के द्वारा किया गया।



मन की कलम से

जय वंशेश्वर महादेव

जै जै जै भोले शंकर
जै जै बांस दिवता वंशेश्वर
तुम ही पालक तुम ही संहारक
तुमको शीश नवाते हम सब मिलकर ॥
पितृ हमारे आये थे
लेकर बरसों पहले बांस लकुटि
बने बांस से वंशेश्वर
डबरालों के शिव तुम हर हर ॥
सब भक्तों के तुम हो पालक
मूल गांव के शिखर बसे हो
ढोँरी में हो प्राण प्रतिष्ठित
डबरालों के इष्ट तुम्ही हो ॥

आठ गांव से भक्त तुम्हारे
मूल सभी का तू ही भगवन
जो भी ध्याये तुझको ईश्वर
मंगल सबका करते हर पल ॥

छोड़ गए जो गांव को अपने
शरण तुम्हारी पड़े हुए हैं
जीवन नौका पार लगा दो
शीश झुकाये द्वार खड़े हैं ॥

भक्त समर्पित हैं सब तुम को
सिमरत नित तेरा करते हैं
भक्ति को विस्तार मिले
जतन वो सारा करते हैं ॥

जै जै जै भोले शंकर
जै जै बांस दिवता वंशेश्वर
तुम ही पालक तुम ही संहारक
तुमको शीश नवाते हम सब मिलकर ॥

“प्रदीप डबराल देहरादून”

सफर

"आँखु माँ बथैरा स्वपना, दिल माँ बथैरी लालसा बची छन ।
मैं किलै थक्युँ, अभी बथैरी मंजिल बची छन।
नी च सौलू यू रस्ता, बथैरी अइचन बची छन ।
क्येकुं छोड़ुँ अधुरु यू सफर, मेरी यीं कहानि क बथैरा पत्रा
अभी बची छन"॥

मधु सूदन डबराल

बालपन कि खैरी

छुटी छुटी खुटी छन म्यार, बिंडी च उकाली
बस्ता म्यर गररु हुयुं, मठु मठु मेरी चाल ।
तीन मील की रोज की च, स्कूल की उकाली
रस्ता लगी जांदू छौं मी, रोज सुनख्याली ।
स्कूल मी पौञ्चुदु लेट, रोज खान्दु डांट
पढ़न लिखण च जरूरी, सुचि क रौंदू शांत ।
बाघ रिख घुमणा रन्दन, रोज आस पास
बांस दिवता की कृपा राली, रोज रौंद या आस ।
हमरी खैरी सुणही ल्याओ, बूबा ब्यै सरकार
कुछ ता कौरो, कम व्हे जावा उंधारी, उकाली ।
सरकार से च निवेदन, कोरी द्या गाड़ी क जुगाड़
बालपन हमर बच्युन रै जाल त, बच जाल पहाड़ ।

शाक्षी डबराल "डाबर"

इच्छा ही गुनाह

एक सात दिन से भूखे बच्चे ने चौराहे पर
एक रोटी का टुकड़ा देखा ।
सोचा क्या मैं इसे पाऊँगा और उसे लेने लपका
इतने में एक कुत्ते ने उसे मुंह में दबाया
और चल पड़ा ।
बच्चे ने दूर तक देखा और सोचा
क्या इच्छा करना भी गुनाह है ?

सतीश डबराल

वार्षिक लेखा -संतुलन पत्र

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Income & Expenditure Account for the year ending 31.03.2025

EXPENDITURE	Amount Rs	INCOME	Amount
To Bank charges	14.76	By Donation, Subscription & Contribution	110,047.00
To Registration Charges	28,950.00	By Membership Fees	-
To Printing & Stationery	1,150.00	By Misc Income	2,666.00
To Staff Refreshment	-		
To General Awareness Programme	26,000.00		
To Haldi Project	12,100.00		
To Summer Camp Exp	42,500.00		
To Petrol Expenses	2,650.00		
To Audit Fees	2,100.00		
To Excess of Income over Expenditure	(2,751.76)		
	112,713.00		112,713.00

For **SUNDEEP SATPAL & ASSOCIATES**

Chartered Accountants

Sundee Kumar, FCA
M No 507170
Place: Delhi
Dated: 15/10/2025



DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

President

Treasurer

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Balance Sheet as at 31.03.2025

LIABILITIES	Amount Rs	ASSETS	Amount
Capital		Fixed Assets	
Opening Balance	2,256.45	As per Annexure	-
Add: Excess of Income over Exp	(2,751.76)		
	(495.31)		
Curpus Fund		Cash & Bank Balance	
Opening Balance	90,000.00	Bank Balance -	226,176.69
Add: Addition	138,344.00	Cash Balance	3,772.00
	228,344.00		
Current Liabilities			
Audit Fees Payable	2,100.00		
	2,100.00		
	229,948.69		229,948.69

For **SUNDEEP SATPAL & ASSOCIATES**

Chartered Accountants

Sundee Kumar, FCA
M No 507170
Place: Delhi
Dated: 15/10/2025



DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

President

Treasurer

वर्ष के प्रमुख सहयोगी

क्रम संख्या	नाम	सहयोग का विवरण
1	नीरजा डबराल शर्मा (संरक्षक) डीजेकेएस	12000रुपये 10 + हुडीज़ + कौशल विकास पर 8 दिवसीय सत्र
2	नील जे कंट्रोल रतन डबराल	25000रुपये
3	उत्तराखंड फाउंडेशन (UNNA)	10000रुपये 30 बैग
4	चरणजीत सिंह सैनी	10000रुपये
5	डबराल बंधू जन विकास समिति	11000रुपये और कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग
6	प्रजा टुडे प्रजा डबराल	बच्चों के लिए 30 कॉफ़ी मग
7	राकेश डबराल	6300रुपये की पुरस्कार राशि और सभी प्रतिभागियों के लिए एक कलाई घड़ी

श्री तिमली में रह रहे अमेरिकी नागरिकों डेनिस और किम्बर्ली को गीत और नृत्य के स्टेप्स सिखाने के लिए विशेष धन्यवाद।

1. युवराज कैंसर फाउंडेशन को प्रतिभागियों को कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए धन्यवाद।
2. श्रीमती पूनम को एक्यूप्रेशर के बारे में संक्षिप्त जानकारी देने के लिए विशेष रूप से मंदिर आने के लिए धन्यवाद।
3. प्रधानाचार्य देवीखेत को प्रोजेक्टर, म्यूजिक सिस्टम और व्हाइट बोर्ड जैसी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद।

प्रमुख प्रायोजक



कार्यकारिणी के सदस्यों का परिचय

नाम	पता	अनुभव	फोटोग्राफ
श्रीमती नीरजा शर्मा (संरक्षक) मो नंबर 8791873546	हाउस नंबर 2, लेन 3, जगदीशपुरम कॉलोनी, शिवपुर, कोटद्वार 246149, पौड़ी गढ़वाल,	शिक्षाविद हांगकांग में अध्यापन का ४० वर्ष से अधिक का अनुभव	
श्री मधु सूदन डबराल (अध्यक्ष) मो नंबर 9000671852	ग्राम-डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल - 246144	सेवानिवृत्त वायु सैनिक भूतपूर्व प्रबंधक- दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद मेट्रो व दिल्ली- मेरठ RRTS प्रोजेक्ट प्रशिक्षण प्रबंधक- विद्युत् लोकोमोटिव (WAG12) ट्रेनिंग स्कूल सहारनपुर	
श्री सतीश कुमार शर्मा (उपाध्यक्ष) मो नंबर 9910933979	मकान नंबर-07, डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल-246144	वानिवृत्त कंपनी कमांडर - सी आई एस एफ भूतपूर्व सुरक्षा प्रमुख- डेल्टा टीवीएस प्रशासनिक प्रमुख- यू फ्लेक्स लिमिटेड और पूर्णागिरी फूड लिमिटेड	
श्री गिरजा दत्त डबराल (कोषाध्यक्ष) मो नंबर 8699308453	मकान नंबर-जी 60, पालम कॉलोनी, बागडोगला, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110077	रिटायर्ड विंग कमांडर वायु सेना सीईओ - फाउंडर सुप्रीम वर्क्स	
अशोक डबराल (सचिव) मो नंबर 9897883450	ग्राम-डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल-246144	भूतपूर्व प्रबंधक - अर्पण फूड्स लिमिटेड सामाजिक कार्यकर्ता	
प्रफुल्ल डबराल (संयुक्त सचिव) मो नंबर 9873880851	श्री राम एन्क्लेव, जानकी पब्लिक स्कूल के पास.. यूनियन बैंक रोड चंद्रबनी देहरादून	सन लाइफ ग्लोबल सॉल्यूशंस, गुरुग्राम सेक्टर 62 , पायनियर स्कायर बिल्डिंग में क्वालिटी ऑडिटर	
सुभाष डबराल (परामर्शदाता) मो नंबर 9868042167	155- प्रताप खंड विश्वकर्मा नगर विवेक विहार पार्ट -२ दिल्ली - 110095	मास्टर ट्रेनर - कौशल विकास सामाजिक कार्यकर्ता - उत्तराखंड फाउंडेशन, यूएनएफ, केस्ट एलायंस, वॉयस ऑफ गर्ल्स ग्रुप के साथ निकटता से जुड़ाव	

विजय प्रकाश डबराल (सांस्कृतिक सचिव) मो नंबर 9917708259	बी 28, डबराल भवन, रामबाग, मानपुर उत्तर रामपुर रोड, हल्द्वानी- 263139	जनरल मैनेजर, एन के ऑर्गेनिक्स, और पी एम डाइकेम पेपर रसायन उद्योग	
प्रजा दत्त डबराल (कोऑर्डिनेटर) मो नंबर 9810974880	मकान नंबर-जी60, पालम कॉलोनी, बागडोगला, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110077	संपादक, निर्माता निर्देशक डाक्यूमेंट्री फिल्म एडिटर इन चीफ - प्रजा टुडे मैगज़ीन	
सूदन डबराल (कोऑर्डिनेटर) मो नंबर 9313952523	एच-172, करमपुरा, नई दिल्ली-110015	निदेशक मैसर्स. गुरेजी फार्मा प्राइवेट लिमिटेड निदेशक मै सर्स ONE परिवहन।	
सुरेश ममगाई (कोऑर्डिनेटर) मो नंबर 6397793018	ग्राम-डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल-२४६१४४	प्रधान ग्राम - डाबर डबरालस्यू, देवीखेत - पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड	

सदस्यता सूची

Member Ship No	Name	Type of Membership	Mobile No
DJKS/PM/01	Madhu Sudan Dabral	Permanent	9000671852
DJKS/PM/02	Sudan Dabral	Permanent	9313952523
DJKS/PM/03	Tanish Dabral	Permanent	9958640167
DJKS/PM/04	Ankit Dabral	Permanent	9810640339
DJKS/PM/05	Ratan Dabral	Permanent	9810080819
DJKS/PM/06	Vijay Praksh Dabral	Permanent	8279898075
DJKS/PM/07	Prafull Dabral	Permanent	9873880851
DJKS/PM/08	Rakesh Dabral	Permanent	8882042506
DJKS/PM/09	Neeraja Dabral	Permanent	9870628353
DJKS/PM/10	Subhash Dabral	Permanent	9868042167
DJKS/PM/11	Girja Dutt Dabral	Permanent	8699308453
DJKS/PM/12	Chander Mohan Dabral	Permanent	9868990781
DJKS/PM/13	Ayushi Dabral	Permanent	9910206690
DJKS/PM/14	Kailash Chandra Gairola	Permanent	9811401704
DJKS/PM/15	Girish Dabral	Permanent	9557128299
DJKS/PM/16	Satish Kumar Dabral	Permanent	9910933979
DJKS/TM/01	Prakash Dabral	Temporary	7579249839
DJKS/TM/02	Ashok Dabral	Temporary	9897883450
DJKS/TM/03	Suresh Mamgai	Temporary	6397793018
DJKS/TM/04	Pankaj Dabral	Temporary	9412546133
DJKS/TM/05	Praja Dutt Dabral	Temporary	9968573369

2025-26 की प्रस्तावित कार्य सूची

क्रमांक	विवरण
1	रोजगार सृजन- इस दिशा में डाबर गांव में एक झील के निर्माण का प्रस्ताव माननीय सिंचाई मंत्री श्री सतपाल महाराज जी से पास करवा कर डीएम ऑफिस व मुख्य डेवेलोपमेंट अधिकारी पौड़ी से पास करवाया गया है झील के निर्माण के लिए आवश्यक निर्देश मुख्य अभियंता श्रीनगर को दे दिए गए हैं। उत्तराखंड में विभिन्न जगहों पर 5 झीलों के निर्माण हेतु सिंचाई विभाग द्वारा सर्वे की स्वीकृति के लिए फाइल मंत्रालय में भेज दी गई है, जिस पर निर्णय आना अभी शेष है।
2	रोजगार सृजन : हल्दी को क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के प्रमुख स्रोत बनाने के लिए संस्था द्वारा DRDO हल्द्वानी से सहयोग लिया गया है। DRDO द्वारा उत्पादित उन्नत किस्म की लगभग १००० किलोग्राम हल्दी के बीज का वितरण जुलाई अगस्त में बारिश के मौसम में क्षेत्र के किसानों में किया जायेगा।
3	स्वास्थ्य जांच शिविर: क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव को ध्यान में रखते हुए, संस्था द्वारा हर वर्ष एक से दो स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जायेगा। ये शिविर मार्च से जून तथा अक्टूबर से दिसंबर में हर वर्ष आयोजित किये जायेंगे।
4	तीरंदाजी को मुख्य खेल के रूप में विकसित करना : संस्था डबरालसूं पट्टी के इंटरकॉलेज में तीरंदाजी को प्रमुखता से बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों में तीरंदाजी उपकरण व आरम्भिक ट्रेनिंग दिलवाने के लिए प्रयत्नशील है। इस को जमीन में उतारने के लिए संस्था बलूनी तीरंदाजी अकादमी देहरादून से संपर्क में है। मई - जून 25 में पहला प्रोजेक्ट देवीखेत स्कूल में प्लान किया गया है और उसके उपरांत अगला चेलुसैन स्कूल को चयनित किया गया है।
5	कौशल विकास कैंप: क्षेत्र की बालिकाओं के लिए 8 दिन का कौशल विकास कैंप का आयोजन जनवरी 2025 तक किया जायेगा जिसमें मुख्यता इंग्लिश वार्तालाप, व्यक्तिगत स्वच्छता, अग्नि सुरक्षा, वैदिक गणित व प्राथमिक उपचार के बारे में ज्ञान दिया जायेगा।



M/s. One Transport

*For all kinds of goods carriers through out the country
Available 24 Hours*

B-225/B-58, Rama Road Ramesh Nagar, New Delhi-15
Contact: 9313952523, 9911889288